अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र 2020—22 की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की चतुर्थ बैठक का कार्यवृत

शनिवार, 22 जनवरी 2022; जूम ऐप के माध्यम से वर्चुअली

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र 2020—22 की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की चतुर्थ बैठक 22 जनवरी 2022 को जूम ऐप के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने किया।

बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे:

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	श्री सीताराम शर्मा	डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
श्री संतोष सराफ	श्री भानीराम सुरेका	श्री पवन कुमार गोयनका
श्री पवन कुमार सुरेका	श्री अशोक जालान	श्री विजय कुमार लोहिया
श्री संजय कुमार हरलालका	श्री बसंत मित्तल	श्री गोपाल अग्रवाल
श्री सुदेश अग्रवाल	श्री दामोदर बिदावतका	श्री आत्माराम सोंथलिया
श्री अशोक कुमार मुँधड़ा	श्री अशोक केडिया	श्री राजकुमार केडिया
श्री विश्वनाथ भुवालका	श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल	श्री बिनोद तोदी
श्री नंदकिशोर अग्रवाल	श्री महेश जालान	डॉ. सुभाष अग्रवाल
श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया	श्री मधुसूदन सीकरिया	श्री गोकुल चंद बजाज
श्री पवन जालान	श्री गौरीशंकर अग्रवाल	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल
श्री रतनलाल बंका	श्री जयदयाल अग्रवाल	श्री अशोक गुप्ता
श्री गोविन्द अग्रवाल	श्री शिव कुमार टेकरीवाल	श्री राज कुमार तिवाड़ी
श्री उमेश शाह	श्री के. एन. गुप्ता	श्री कपिल लाखोटिया
श्री अनिल कुमार जाजोदिया	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल	डॉ. सांवर धनानिया
श्रीमती सुषमा अग्रवाल	श्री जगदीश प्रसाद शर्मा	श्री भागचंद पोद्दार`
श्री ओम प्रकाश प्रणव	श्री ओम प्रकाश पोद्दार	श्री कमल नोपानी
श्री जगदीश गोलपुरिया		

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दी:

श्री नंदलाल रूँगटा	डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका	श्री योगेश तुलस्यान
श्री कैलाशपति तोदी	श्री निर्मल कुमार काबरा	श्री रमेश कुमार बंग
श्री मनीष डोकानिया	श्री निकेश गुप्ता	श्री संतोष खेतान

बैठक में सभी का स्वागत करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। कोरोना की तीसरी लहर के दौरान पूरे देश में सम्मेलन की प्रादेशिक एवं स्थानीय शाखाओं द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों के लिए समाज के कोरोना—योद्धाओं का साधुवाद व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी उपस्थितों से संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक एहतियात बरतने और यथासम्भव सभी को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि उद्योग—व्यापार की अपनी पारम्परिक परिधि से बाहर निकल कर आज मारवाड़ी युवक—युवतियाँ चार्टर्ड एकाउंटेंसी, वकालत, चिकित्सा, प्रशासनिक सेवाओं, खेल, आदि, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल सफलता का परचम लहरा रहे हैं। यह हम सब के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। सी.ए. की परीक्षा में देश भर में प्रथम सुश्री नंदिनी अग्रवाल, जे.ई.ई. एडवांस्ड में पूरे देश के टॉपर श्री मृदुल अग्रवाल, यू.पी.एस.सी. में टॉप फाईव में आने वाले सुश्री अंकिता जैन और श्री यश जालुका, आदि की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे किसी भी समाज तथा देश की दशा और दिशा बदली जा

सकती है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि कोई भी बालक—बालिका शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि समाज से हर तबके को अपने साथ जोड़ना और समाज के हर परिवार तक पहुँचना सम्मेलन के लक्ष्यों में है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (19 सितम्बर 2021; पटना एवं जूम ऐप - फिजीकल एवं वर्चुअल) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में हम अपनी ऊर्जा और संसाधन मुख्यत: कोरोना—सेवाकार्यों पर केन्द्रित कर रहे हैं।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अपने उद्बोधन में सम्मेलन के संगठन—विस्तार पर हर्ष व्यक्त किया एवं कोरोनाकाल के दौरान पूरे देश में किए जा रहे सेवाकार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व सम्मेलन द्वारा लागू की गई एकल सदस्यता एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और संगठन—विस्तार में सम्मेलन को जो आशातीत सफलता प्राप्त हुई है उसका एक बड़ा कारण है। श्री शर्मा ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं के समक्ष आर्थिक सहित विभिन्न प्रकार की चुनौतियाँ आती रहती हैं और आपसी विचार—विमर्श से रणनीति बनाकर इनका सामना करना चाहिए।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कपिल लाखोटिया ने एक वैचारिक मंच के रूप में समाज सुधार के क्षेत्र में सम्मेलन की उपलब्धियों को युगांतरकारी बताया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन एवं युवा मंच नाम मात्र के दो संगठन हैं, वे वस्तुत: हाथ की अंगुलियों की तरह हैं। श्री लाखोटिया ने युवा मंच को सम्मेलन का 'फ्रंटलाइन वारियर' बताया और कहा कि युवा मंच सब तरह से सम्मेलन के साथ है और आवाज देने के पहले ही आगे खड़ा मिलेगा।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने प्रादेशिक शाखाओं के संविधानों में एकरूपता के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि सम्मेलन में सभी स्तरों पर एक साथ चुनाव करवाना बेहतर होगा। सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाओं के अध्यक्षों सर्वश्री ओमप्रकाश अग्रवाल (झारखंड), महेश जालान (बिहार), गोविन्द अग्रवाल (उत्कल), अशोक मूँधड़ा (तमिलनाडु), डॉ. सुभाष अग्रवाल (कर्नाटक), पुरुषोत्तम सिंघानिया (छत्तीसगढ़), ओमप्रकाश खंडेलवाल (पूर्वोत्तर), गोकुलचंद बजाज (गुजरात), नंद किशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग) ने इस चर्चा में भाग लिया और प्रादेशिक संविधान में एकरूपता के विषय पर सहमति जताई। प्रादेशिक अध्यक्षों ने अपने—अपने प्रांतों में किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में भी बताया। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण सर्वश्री भानीराम सुरेका, पवन कुमार सुरेका, अशोक कुमार जालान एवं विजय कुमार लोहिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया, सर्वश्री मधुसूदन सीकरिया, शिव कुमार टेकरीवाल, राजकुमार केडिया और अशोक केडिया ने भी प्रादेशिक संविधानों में एकरूपता सहित विभिन्न विषयों पर अपने संक्षिप्त विचार प्रकट किए।

गत 10 जनवरी 2022 को दिवंगत, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर सम्मेलन के अध्यक्ष स्व. ओंकारमल अगरवाला को बैठक में मौन श्रद्धांजलि दी गई। उनके विषय में बताते हुए राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि ओंकारमल जी राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रादेशिक सम्मेलन के बीच सेतु की भूमिका निभाते थे। बैठक के अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने धन्यवाद—ज्ञापन किया और सभा सम्पन्न हुई।

(गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया)
राष्ट्रीय अध्यक्ष

(संजय कुमार हरलालका)
राष्ट्रीय महामंत्री